Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-इतिहास
(अभ्यास हेतु)

निर्धारित समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

सामान्य निर्देश :-

(1) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक उनके सामने लिखे है।

(2) 2 अंक वाले प्रत्येक प्रश्न (खण्ड क प्रश्न सं॰ 1 से 3) का उत्तर 30 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।

(3) 5 अंक वाले प्रत्येक प्रश्न (खण्ड ख - भाग 1, 2, 3 प्रश्न सं. 4 से 14) का उत्तर 100 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।

(4) 10 अंक वाले प्रत्येक प्रश्न (खण्ड ग - प्रश्न सं 15 से 16) का उत्तर 500 शब्दो से अधिक नही होना चाहिए।

(5) खण्ड घ के प्रश्न तीन स्रोतों पर आधारित हैं।

(6) मानचित्र अपनी उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न कीजिए।

www.studiestoday.com

खण्ड क

(1) जैन धर्म के मूल सिद्धान्त क्या है? 2

(2) बासवन्ना कौन थे? उन्होंने कर्नाटक मे कौन सा आन्दोलन चलाया। 2

(3) भारतीय संविधान के किन्हीं दो महत्वपूर्ण अभिलक्षणों का उल्लेख कीजिए। 2

खण्ड ख

भाग 1

निम्नलिखित में किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

प्रश्न 4 :- पुरातत्वविद सामाजिक तथा अर्थिक भिन्नताओं जानने के लिये किन-किन विधियों का प्रयोग करते है? अपने उत्तर की पुष्टि हड़प्पा सभ्यता के संदर्भ में कीजिए। 5

प्रश्न 5 :- छठीं शताब्दी ई॰ पू॰ में चौथी शताब्दी ई॰ पू॰ तक मगध सर्वाधिक शक्तिशाली महाजनपद बन गया, क्यों? स्पष्ट कीजिए। 2+3(5)

6. अक्षित्रय राजाओं के विषय में कोई पांच बिन्दु दीजिए। (5)

7. महाभारत की भाषा तथा विषय वस्तु के विषय अपने विचार लिखिए। (5)

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

खण्ड ख

भाग 2

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

8. भारतीय यात्राओं के वृत्तान्तों के सम्बन्ध में इब्न बतूता और बर्नियर के दृष्टिकोणों की व्याख्या करते हुए अन्तर स्पष्ट कीजिए। (5)

9. कृषि समाज में महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक भूमिका विश्लेषण कीजिए। (5)

10. 'सटीक और विस्तृत आलेख तैयार करना मुगल प्रशासन के लिए मुख्य रूप से महत्वपूर्ण था। स्पष्ट कीजिए (5)

खण्ड ख

भाग 3

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

11. अवध पर कब्जे में अंग्रेज़ों की दिलचस्पी क्यों बढ़ती जा रही थी? स्पष्ट कीजिए। (5)

12. इंडो-सारासेनिक शैली का वर्णन उदाहरण सहित कीजिए। (5)

13. दूसरा गोलमेज सम्मेलन कब और कहाँ हुआ था? इस सम्मेलन के किन्ही चार बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए। 1+4 (5)

14. संविधान सभा में 'उद्देश्य प्रस्ताव' कब और किसने प्रस्तुत किया? इस प्रस्ताव की किन्ही चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 1+4 (5)

खण्ड ग

15. 'ज़मीन से मिलने वाला राजस्व मुगल साम्राज्य की आर्थिक बुनियाद थी।' स्पष्ट कीजिए। (10)

अथवा

मुग़ल अभिजात वर्ग को गुलदस्ते के रूप में वर्णित किया जाता है? इस कथन के संबंध में मुगल अभिजात वर्ग के विशिष्ट अभिलक्षण बताते हुए बादशाह के साथ उनके संबंधों की व्याख्या कीजिए।

16. असहयोग आंदोलन का प्रारंभ और अंत भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की एक महत्वपूर्ण घटना थी।' स्पष्ट कीजिए। (10)

अथवा

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM   Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

'बंटवारे की वेदना का अनुभव औरतों को अत्यधिक हुआ।' उक्त कथन की विवेचना उपयुक्त उदाहरणों के साथ कीजिए। (10)

खण्ड घ (स्त्रोतों पर आधारित प्रश्न)

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

उत्तर :- **माता की सलाह**

महाभारत में उल्लेख मिलता है कि जब कौरवों और पांडवों के बीच युद्ध अवश्यंभावी हो गया तो गांधारी ने अपने ज्येष्ठ पुत्र दुर्योधन से युद्ध न करने की अंतिम विनती की :-

शांति की संधि करके तुम अपने पिता, मेरा तथा अपने शुभेच्छुकों का सम्मान करोगे .... विवेकी पुरूष जो अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण रखता है वही अपने राज्य की रखवाली करता है। लालच और क्रोध आदमी को लाभ से दूर खदेड़कर ले जाते हैं, इन दोनो शत्रुओं को पराजित कर राजा समस्त पृथ्वी को जीत सकता है.... हे पुत्र, तुम विवेकी और वीर पांडवों के साथ सानंद, इस पृथ्वी का भोग करोगे. ... युद्ध में कुछ भी शुभ नही होता, न धर्म और अर्थ की प्राप्ति होती है और न ही प्रसन्नता की, युद्ध के अंत में सफलता मिले यह भी जरूरी नही .... अपने मन को युद्ध में लिप्त मत करो...

दुर्योधन ने माँ की यह सलाह नही मानी, वह युद्ध में लड़ा और हार गया।

(1) गांधारी ने अपने ज्येष्ठ पुत्र दुर्योधन से युद्ध न करने की विनती क्यों की? 2

(2) युद्ध के सम्बन्ध में गांधारी के विचार स्पष्ट कीजिए? 2

(3) 'मातृनामिकता' (मैट्रोनॉमिक्स) से आप क्या समझते है? किस राज परिवार ने इस प्रथा को अपनाया? 2

(4) दुर्योधन ने अपनी माँ की सलाह को क्यो नही माना? दो बिन्दु दीजिए। 2

अथवा

व्यवहार में बौद्ध धर्म

सुत्त पिटक के लिए गए इस उदाहरण में बुद्ध सिगल नाम के एक अमीर गृहपति को सलाह दे रहे हैं :-

मालिक को अपने नौकरों और कर्मचारियों की पाँच तरह से देखभाल करनी चाहिए,... उनकी क्षमता के अनुसार उन्हें काम देकर, उन्हें भोजन और मजदूरी देकर, बीमार पड़ने पर उनकी परिचर्या करके, उनके साथ सुस्वादु भोजन बाँटकर और समय-समय पर उन्हें छुट्टी देकर

कुल के लोगों को पाँच तरह से श्रमणों (जिन्होनें सांसारिक जीवन को त्याग दिया है) और ब्राहम्णों की देखभाल करनी चाहिए .... कर्म, वचन और मन से अनुराग द्वारा, उनके स्वागत में हमेशा घर खुले

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM   Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

रखकर और उनकी दिन-प्रतिदिन की जरूरतों की पूर्ति करके।

सिगल को माता-पिता, शिक्षक और पत्नी के व्यवहार के लिए भी ऐसे ही उपदेश दिए गए हैं।

(1) वे पाँच तरीके बताइए जिनके द्वारा बुद्ध चाहते थे कि कोई गृहस्वामी अपने कर्मचारियों की देख-रेख करे। 2

(2) कुल के लोगों को श्रमणों और ब्राहम्णों से किस प्रकार का व्यवहार करना चाहिए? 2

(3) बौद्धों का संघ क्या होता था? संघ की कोई दो विशेषताएँ बताइए। 2

(4) बौद्ध धर्म के मुख्य आदर्श क्या है? 2

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

सती बालिका

यह संभवत: बर्नियर के वृत्तांत के सबसे मार्मिक विवरणों में एक है :

लाहौर में मैनें एक बहुत सुदंर अल्पव्यस्क विधवा जिसकी आयु मेरे विचार में बारह वर्ष से अधिक नही थी, की बलि होते हुए देखी। उस भयानक नर्क की ओर जाते हुए वह असहाय छोटी बच्ची जीवित से अधिक मृत प्रतीत हो रही थी, उसके मस्तिष्क की व्यथा वर्णन नहीं किया जा सकता, वह काँपते हुए बुरी तरह से रो रही थी, लेकिन तीन या चार ब्राहम्ण, एक बूढ़ी औरत, जिसने उसे अपनी आस्तीन के नीचे दबाया हुआ था, की सहायता से उस अन्छिुक पीड़िता को जबरन घातक स्थल की ओर ले गए, उसे लकड़ियों पर बैठाया, उसके हाथ और पैर बांध दिए ताकि वह भाग न जाए और इस स्थिति में उस मासूम प्राणी को जिन्दा जला दिया गया। मैं अपनी भावनाओं को दबाने में और उनके कोलाहलपूर्ण तथा व्यर्थ के क्रोध को बाहर आने से रोकने में असमर्थ था .....

(1) बर्नियर कौन था? उसके ग्रंथ का नाम बताइए। 2

(2) बर्नियर के इस विवरण से किस सामाजिक कुप्रथा का पता चलता है? 2

(3) बर्नियर के अनुसार भारत में स्त्रियों की सामाजिक स्थिति कैसी थी? 2

(4) बर्नियर का भारत चित्रण किस प्रकार द्वि-विपरीतता के नमूने पर आधारित है? 2

अथवा

तस्वीर की प्रशंसा में

अबुल फज्ल चित्रकारी को बहुत सम्मान देता था :

किसी भी चीज का उसके जैसा ही रेंखाकन बनाना तस्वीर कहलाता है। अपनी युवावस्था के एकदम शुरूआती दिनों से महामहिम ने इस कला में अपनी अभिरूचि व्यक्ति की है। वे इसे अध्ययन और

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

मनोरंजन दोनों का ही साधन मानते हुए इस कला को हर प्रोत्साहन देते हैं। चित्रकारों की एक बड़ी संख्या इस कार्य में लगाई गई है। हर हफ्ते शाही कार्यशाला के अनेक निरीक्षक और लिपिक बादशाह के सामने प्रत्येक कलाकार का कार्य प्रस्तुत करते हैं और महामहिम प्रदर्शित उत्कृष्टता के आधार पर ईनाम देते तथा कलाकारों के मासिक वेतन में वृद्धि करते हैं। अब सर्वाधिक उत्कृष्ट चित्रकार मिलने लगे हैं और बिहज़ाद जैसे चित्रकारों की अत्युत्तम कलाकृतियों को तो उन यूरोपीय चित्रकारों के उत्कृष्ट कार्यों के समकक्ष ही रखा जा सकता है जिन्होंने विश्व में व्यापक ख्याति अर्जित कर ली है। ब्योरे की सूक्ष्मता, परिपूर्णता और प्रस्तुतीकरण की निर्भीकता जो अब चित्रों में दिखाई पड़ती है, वह अतुलनीय है। यहाँ तक कि निर्जीव वस्तुएँ भी प्राणवान प्रतीत होती है। सौ से अधिक चित्रकार इस कला के प्रसिद्ध कलाकार हो गए हैं। हिंदू कलाकारों के लिए यह बात खासतौर पर सही है। उनके चित्र वस्तुओं की हमारी परिकल्पना से कहीं परे हैं। वस्तुतः पूरे विश्व में कुछ लोग ही उनके समान पाए जा सकते हैं।

(1) अबुल फज़्ल चित्रकला को क्यों महत्व देता था? 2

(2) अबुल फज़्ल किस आधार पर इस कला को वैध ठहराता है? 2

(3) उपरोक्त उद्धरण में चित्रकला को किस प्रकार का साधन बताया गया है? 2

(4) मुगल चित्रकला की विशेषताएं बताइये? 2

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मुस्लिम लीग का प्रस्ताव : 1940

मुस्लिम लीग के 1940 वाले प्रस्ताव की माँग थी –

'कि भौगोलिक दृष्टि से सटी हुई इकाइयों को क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया जाए, जिन्हें बनाने में ज़रूरत के हिसाब से इलाकों का फिर से ऐसा समायोजन किया जाए कि हिन्दुस्तान के उत्तर-पश्चिम और पूर्वी क्षेत्रों जैसे जिन हिस्सों में मुसलमानों की संख्या ज्यादा है, उन्हें इकट्ठा करके 'स्वतंत्र राज्य' बना दिया जाए, जिनमें शामिल इकाइयाँ स्वाधीन और स्वायत्त होंगी।'

(1) लीग की मांग क्या थी? 2

(2) क्या वह वैसे पाकिस्तान की मांग कर रहे थे, जैसा आज हम देख रहे है? 2

(3) सिकंदर हयात खान ने 1 मार्च 1941 को पंजाब असेम्बली में क्या घोषणा की थी? 2

(4) साम्प्रदायिकता से क्या अभिप्राय है? 2

अथवा

राष्ट्रीय भाषा की क्या विशेषताएँ होनी चाहिए?

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

अपनी मृत्यु से कुछ माह पहले महात्मा गांधी ने भाषा के प्रश्न पर अपने विचार दोहराते हुए कहा था : यह हिन्दुस्तानी न तो संस्कृतनिष्ठ हिंदी होनी चाहिए और न ही फारसीनिष्ठ उर्दू। यह दोनों का सुदंर मिश्रण होना चाहिए। उसे विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं से शब्द खुलकर उधार लेने चाहिए। विदेशी भाषाओं के ऐसे शब्द लेने में कोई हर्ज नहीं है जो हमारी राष्ट्रीय भाषा में अच्छी तरह और आसानी से घुलमिल सकते हैं। इस प्रकार हमारी राष्ट्रीय भाषा एक समृद्ध और शक्तिशाली भाषा होनी चाहिए जो मानवीय विचारों और भावनाओं के पूरे समुच्चय को अभिव्यक्ति दे सके। खुद को हिंदी या उर्दू से बांध लेना देशभक्ति की भावना तथा समझदारी के विरूद्ध एक अपराध होगा।

(1) भाषा के बारे में गाँधी जी का क्या मत था? 2

(2) आर. वी. धुलेकर ने हिंदी की हिमायत किस आधार पर की थी? 2

(3) श्रीमति जी. दुर्गाबाई ने हिंदी के वर्चस्व के विषय में क्या कहा था? 2

(4) साम्प्रदायिक टकरावों ने हिंदी और उर्दू के बीच दूरियाँ किस प्रकार बढ़ा दी? 2

www.studiestoday.com

20. भारत के दिये गये रेखामानचित्र पर निम्नलिखित हड़प्पाकालीन स्थानों को दर्शाइये तथा नामंकित कीजिए :

बनावली, कालीबंगन, मोहनजोदड़ो, राखीगढ़ी, लोथल।

अथवा

भारत के दिये गए रेखा-मानचित्र पर बौद्ध धर्म से सम्बन्धित पाँच महत्वपूर्ण स्थल दर्शाइये तथा नामंकित कीजिए

(21) भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा मानचित्र पर बाबर, अकबर तथा औरंगजेब के अधीनस्थ पांच क्षेत्र 1-2-3-4-5 चिनहित किए गए है। उन्हें पहचानिए और उनके पास दी गई रेखाओं पर उनके पास दी गई रेखाओं पर उनके नाम लिखिये। (5)

नोट - निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए मानचित्र प्रश्न 20 और 21 के स्थान पर दिये गए है।

(22) हड़प्पा सभ्यता सम्बन्धित किन्हीं पाँच स्थानों के नाम लिखिये

अथवा

बौद्ध धर्म से सम्बन्धित किन्हीं पाँच स्थानों के नाम लिखिये (5)

(23) बाबर अकबर तथा औरगजेब के अधीनस्थ पाँच महत्वपूर्ण स्थलों के नाम लिखिये। (5)

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

प्रश्न 20 :- भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित को चिन्हित करके उनके नाम लिखिए :

असोक की राजधानी, गिरनार, सोपारा, साँची, चोल राज्य।

अथवा

भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित को चिन्हित करके उनके नाम लिखिए:-

तंजावुर, दिल्ली, लाहौर, मैसूर, पानीपत

प्रश्न 21 :- भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर राष्ट्रीय आंदोलन के पाँच केन्द्रो को 1 से 5 चिन्हित किया गया है। उन्हें पहचानकर उनके नाम, पास खिंची रेखा पर लिखिए।

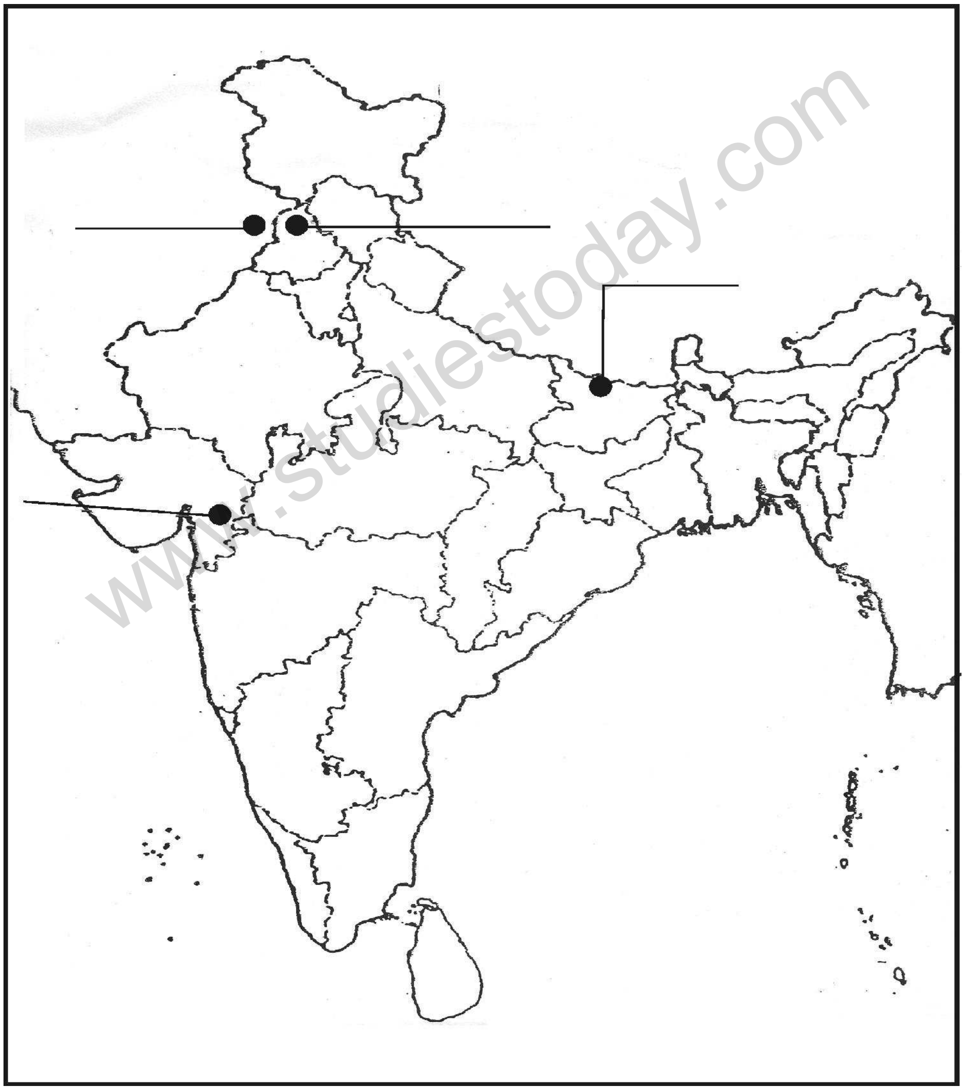

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM